ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 11 मार्च 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 8

पृष्ठ 4

चुनावी बांड :स्टेट बैंक को सुप्रीम झटका

एसबीआई को कहां कल तक देनी होगी सारी जानकारी

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट.ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को कल 12 मार्च तक भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) को चुनावी बांड के डोनर्स (दानदाता) का पूरा विवरण जमा करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ज्यादा समय की मांग करने वाली एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया। हालांकि सरकार ने जाने-माने वकील हरीश साल्वे को भी अदालत में उतारा था, लेकिन उनके तर्क सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने टिक नहीं सके। अदालत ने कहा कि एसबीआई को 12 मार्च, 2024 के व्यावसायिक घंटों (बिजनेस ऑवर) के अंत तक तमाम जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया जाता है। केंद्रीय चुनाव आयोग सारी जानकारी संकलित करेगा और अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पूरा विवरण 15 मार्च, 2024 शाम 5 बजे तक प्रकाशित करेगा। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने 6 मार्च तक चुनाव आयोग को चुनावी बांड खरीद के सभी विवरण पेश नहीं करने और प्रक्रिया में देरी करने और अपने पिछले आदेश का पालन नहीं करने पर एसबीआई को इस "नाफरमानी" के लिए फटकार भी लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम एसबीआई को नोटिस देते हैं कि अगर एसबीआई इस आदेश में बताई गई समयसीमा के भीतर निर्देशों का पालन नहीं करता है तो यह अदालत जानबूझकर की गई नाफरमानी के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।' 15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। इसने एसबीआई को 12 अप्रैल, 2019 से सभी चुनावी बांड खरीद का विवरण 6 मार्च तक चुनाव आयोग को पेश करने का निर्देश दिया। इसने इस जानकारी को 13 मार्च तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया था। इस आदेश के खिलाफ एसबीआई ने 4 मार्च को तमाम तकनीकी समस्याओं और प्रोटोकॉल को कारण बताते हुए और अधिक मांगा। हालांकि तमाम वकीलों, कानूनविदों और आईटी की

जानकारी रखने वाले लोगों ने एसबीआई की इन दलीलों की धज्जियां उड़ा दीं। सत्य हिन्दी पर प्रकाशित रिपोर्ट्स क्लेक्टिव रिपोर्ट में कहा गया था कि एसबीआई तकनीकी रूप से इतना सक्षम है कि वो 48 घंटे में सारा डेटा चुनाव आयोग को सौंप सकता है। विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक की मोहलत देने के अनुरोध पर एसबीआई की खिंचाई करते हुए पीठ ने कहा, "पिछले 26 दिनों में आपने क्या कदम उठाए हैं? आपका आवेदन उस पर चुप है।" जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि जब आप इस तरह की अर्जी (समय बढ़ाने) के साथ आते हैं तो यह एक गंभीर मामला है। हमारा फैसला बिल्कुल स्पष्ट था। एसबीआई की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने पूरी प्रक्रिया की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कहा कि बैंक को सभी जानकारी एकत्र करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। क्योंकि दानकर्ता का विवरण नाम न छापने के लिए बैंक की निर्धारित शाखाओं में उसे सीलबंद लिफाफे में रखा गया है। इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आप कहते हैं कि विवरण सीलबंद कवर में रखा गया था और मुंबई शाखा में जमा किया गया था। लेकिन हमारे निर्देश जानकारी को मिलाने के लिए नहीं थे। हम केवल यह चाहते हैं कि एसबीआई दानदाताओं के स्पष्ट विवरण का खुलासा करे।

आप फैसले का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं?

वकील हरीश साल्वे की दलील पर जस्टिस संजीव खन्ना ने भी कहा कि सभी विवरण सीलबंद लिफाफे में हैं, और आपको बस सीलबंद लिफाफा खोलना है और विवरण देना है। बस इतना ही तो है। अदालत ने एसबीआई के चेयरमैन और एमडी को चेतावनी दी है कि अगर समय सीमा के भीतर उसके आदेश का पालन नहीं किया गया तो उन्हें अदालत की अवमानना कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा।

विपक्ष का आरोप

इस महीने की शुरुआत में एसबीआई द्वारा समय सीमा बढ़ाने की मांग के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि भाजपा सरकार बैंक को अपने "संदिग्ध लेनदेन" के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। खड़गे ने कहा था- "मोदी सरकार चुनावी बांड के माध्यम से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में उपयोग कर रही है... भाजपा चाहती है कि यह लोकसभा चुनाव के बाद किया जाए। इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है।"

'वर्चुअल धोखे' से वकीलों में आक्रोश

कल भी हड़ताल, जनता पूछ रही-कब खुलेगी उदयपुर के नाम की 'पर्ची'

उदयपुर के वकीलों ने कहा

वर्चुअल बैंच के नाम पर कानून मंत्री ने दे दिया धोखा, अब दिल्ली जाकर सीजेआई से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

दो दिन पहले कानून मंत्री ने भरी सभा में भेजी पर्ची और सीजेआई चंद्रचूड ने कर दी बीकानेर के नाम की घोषणा

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर

desk24newsupdate@gmail.com

रिपोर्ट- सुशील जैन

उदयपुर। उदयपुर के वकीलों ही नहीं आमजन में भी आज जबर्दस्त गुस्सा है। दो दिन पहले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की मौजूदगी में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भरी सभा में पर्ची भेजी और सीजेआई चंद्रचूड़सिंह ने हाथों हाथ बीकानेर को राजस्थान की पहली वर्चुअल हाई कोर्ट बेंच देने की घोषणा कर दी। जैसे ही इस घोषणा की खबर उदयपुर तक पहुंची, यहां के 42 साल पुराने आंदोलन पर पानी फिर गया। क्योंकि विधानसभा चुनावों से पहले मंत्रीजी ने उदयपुर के अधिवक्ताओं को दिल्ली बुला कर उदयपुर को सबसे पहले वर्चुअल बैंच देने की मीठी गोली थी दी। तब दिल्ली से फोटो सेशन हुए थे और उदयपुर में पटाखे फोड कर जश्न तक मना लिया गया था कि अब तो वर्चुअल बैंच का सपना पूरा होने वाला है। लेकिन चुनाव बीतते ही पैंतरे बदल गए, डबल इंजन की सरकार आने के बावजूद उदयपुर से धोखा हो गया। हमारे हिस्से का वर्चुअल बैंच बीकानेर लेकर चला गया। बीकानेर को इस बात का फायदा मिल गया कि कानून मंत्री वहीं के रहेन वाले हैं। हमारे हिस्से में मायूसी इसलिए

आ गई क्योंकि हमारे नेताओं ने इस मामले में फॉलोअप नहीं किया। यह मानकर बैठ गए कि मंत्रीजी की मीठी गोली एक न एक दिन हमें जरूर वर्चुअल बैंच दिला देगी। जनजाति बहुल क्षेत्र के लोगों के साथ हुए इस वर्चुअल पक्षपात के चलते आज अधिवक्ताओं ने कार्य का बहिष्कार कर दिया और तीखे तेवरों के साथ बैठक में आलोचना करते हुए फरमान सुना दिया कि अब एक प्रतिनिधिमंडल फिर से कानून मंत्री और सीजेआई से मिलने जाएगा और अबकी बार यदि उदयपुर के नाम की पर्ची नहीं खोली गई तो आंदोलन आर या पार का किया जाएगा।

चुनावों में भारी पड़ सकता है

हाईकोर्ट की वर्चुअल बैंच का मुद्दा भाजपा की डबल इंजन सरकार को भारी पड़ सकता हैं। मेवाड़ बगड़ हाई कोर्ट बेंच संघर्ष समिति का आंदोलन 42 साल पुराना है। विधि मंत्री की छह महीने पहले हुई घोषणा के बाद उदयपुर में 42 वर्षों से चल रहे हाई कोर्ट बेंच आंदोलन को पहली सफलता प्राप्त हुई थी मगर इस सफलता के जमीन पर उतरने से पहले ही खुशियां छीन ली गई। मंत्रीजी ने पूरे भारत में 10 जगह वर्चुअल हाई कोर्ट बेंच की स्थापना की बात कही थी जिसमें राजस्थान में तीन जगह उदयपुर कोटा व बीकानेर में स्थापना की बात कही थी मगर पर्ची बीकानेर के नाम की खुलवा दी। अब यह मुद्दा भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव में गलफांस बन सकता है। यदि समय रहते वर्चुअल बैंच की घोषणा उदयपुर के लिए नहीं की गई तो लोगों में आक्रोष फैल सकता है और चुनावी गणित गड़बड़ा सकता हैं। इस मसले पर लोगों में इस बात पर भी आक्रोष है कि उदयपुर के नेता हमेशा ढिलाई से क्यों पैरवी करते हैं। यदि करते भी हैं तो उसका फॉलोअप करने में कंजूसी क्यों बरतते हैं। जानकारों का कहना है कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, नेताओं को अपने जिलों व लोकसभा क्षेत्रों के हितों की पैरवी के लिए संघर्ष करना ही होगा।

इनका कहना है

आज अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। दोपहर में जो महत्वपूर्ण बैठक हुई उसमें तय किया गया कि विधि मंत्री और सीजेआई चंद्रचूड़सिंह जी से मिलने का समय मांगा जाएगा। बैठक में अध्यक्ष भरत जोशी, सभी पूर्व अध्यक्ष, सभी पूर्व महासचिवों सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मौजूदी रही। मीटिंग में कल भी हड़ताल रखने व पेन डाउन का निर्णय लिया गया। वर्चुअल बैंच नहीं मिलने से पूरे संभाग में आक्रोश की लहर है। यह हमारे साथ धोखा हुआ है। वर्चुअल बैंच पर उदयपुर का पहला हक था, मगर नहीं दी गई। उदयपुर में हाईकोर्ट के लिए 42 साल से आंदोलन चल रहा है। आदिवासी क्षेत्रों के हितों को सर्वोपरि समझ कर उदयपुर को तत्काल वर्चुअल बैंच की सौगात दी जाए।

- राजेश शर्मा,

महासचिव, उदयपुर बार एसोसिएशन

संपादकीयः वर्चुअल कोर्ट के नाम पर धोखे पर धोखा

स्वतंत्र लेखक

उदयपुर में हाईकोर्ट आंदोलन को लगभग 45 साल होने आए हैं। इस दौरान वकीलों ने बार-बार उदयपुर और उसके आस-पास के आदिवासी अंचल के लोगों को न्याय दिलाने के लिए पुरजोर पैरवी की। कई बार महीनों तक आंदोलन करते हुए बंद रखा। उसके बाद कालांतर में क्रमिक आंदोलन करते हुए आंदोलन की आंच को लगातार जारी रखा मगर ना तो केंद्र सरकार पर कोई फर्क पड़ा ना ही राज्य सरकार के स्तर पर इसकी ठोस पैरवी हुई। स्पष्ट कारण है कि कोई भी संसाधनों का बंटवारा नहीं चाहता है क्योंकि इसमें तर्क दिया जाता है कि आर्थिक बंटवारा भी हो जाएगा। कभी जोधपुर की लॉबी की बात होती है तो कभी जयपुर और दिल्ली की लॉबी की। मगर सच इन सबके बीच कहीं फंस जाता है और हर बार उदयपुर ठगा का ठगा रह जाता है। आंदोलन के इन बरसों में कई बार ऐसा लगा कि अब निर्णायक मोड़ आने ही वाला है मगर हर बर धोखे की मीठी गोली से ही संतोष करना पड़ा। कुछ लोग इसके लिए स्थानीय स्तर पर अधिवक्ताओं के नेतृत्व पर सवाल उठाते हैं लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। अधिवक्ताओं ने खुद तप, त्याग और संघर्ष के साथ आंदोलन में आहुतियां दीं हैं। जब-जब हाईकोर्ट की बात होती है, वकील सभी प्रकार के मतभेद भुला कर एक हो जाते हैं और जनहित को देखते हुए आंदोलन का झंडा थाम लेते हैं। अधिवक्ताओं ने उदयपुर से लेकर दिल्ली तक अपनी आवाज को गूंजाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है लेकिन बात तब भी नहीं बनी। अब कुछ समय पहले जब वर्चुअल बैंच की बात आई तो उम्मीदों का नया सूरज उगा। लगने लगा कि इस बार तो कुछ न कुछ मिल ही जाएगा। बीकानेर में कानून मंत्री ने घोषणा की तो उदयपुर के अधिवक्ताओं ने भी संभागभर में अलख जगाते हुए माहौल बनाया और प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में जाकर मंत्रीजी के समक्ष अपनी बात रखी। मंत्रीजी ने भी तत्काल घोषणा कर दी कि उदयपुर को वर्चुअल बैंच दी जाएगी। मंत्रीजी के इस बयान के सहारे विधानसभा चुनाव निपट गया। मगर ना तो चुनवों के दौरान किसी पार्टी ने इसे मुद्दा बनाया ना ही इस पर बात आगे बढ़ी। नई भाजपा सरकार बनने के बाद लगने लगा कि वर्चुअल बैंच बस कुछ ही दिनों की बात है। मगर अचानक जोधपुर में हुए समारोह में सीजेआई के हाथों में कानून मंत्री की ओर से एक पर्ची पहुंचाई गई और उस पर्ची के जरिये बीकानेर का वर्चुअल बैंच की सौगात मिल गई। मेवाड़-वागड़ हाथ मलते ही रह गया। अब इसे आक्रोषित वकील समुदाय धोखा बता रहा है लेकिन जानकारों को पहले ही यह संदेह था व मंत्रीजी की दिल्ली में घोषणा के बाद भी उस दिशा में कोई कदम नहीं उठता देख कर यह पक्का हो गया था कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काल है और खिचड़ी कुछ और ही पक रही है। अब उदयपुर के नाम की पर्ची कब खुलेगी, इसके लिए फिर से कितना संघर्ष करना होगा और कितने पापड़ बेलने पड़ेंगे। यहां के राजनेता क्या उच्च स्तर तक जिद करके अपनी बात मनवा पाएंगे और वर्चुअल बैंच के सपने को लोकसभा चुनाव से पहले क्या धरातल पर सच कर सकेंगे, ये सभी यक्ष प्रश्न हैं। मगर यह बात सच है कि समय जब अपना इतिहास खुद लिखेगा तो वो जरूर बताएगा कि कौन-कौन साथ रहा, कौन-कौन साथ रहते हुए छिटक गया, किसके साथ से सफलता मिली। बहरहाल जनता के नसीब में तो तब तक बस तारीख पर तारीख और खर्चीला न्याय ही लिखा है।

पीटीआई-लाइब्रेरियन के लिए कल से करें आवेदन

RPSC ने निकाली थी 40 पदों पर वैकेंसी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

10 अप्रैल लास्ट डेट अजमेर राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से निकाली गई संस्कृत शिक्षा (कॉलेज) विभाग में शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (पीटीआई) के 20 पद और लाइब्रेरियन के 20 पदों पर भर्ती के लिए कल से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 10 अप्रैल 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सिटीजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का

चयन कर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) करना होगा। OTR करने के लिए अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, जेंडर, सेकेंडरी/समकक्ष परीक्षा और आधार कार्ड/पैन कार्ड/वोटर कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस में से कोई एक आईडी प्रूफ का डिटेल तथा डॉक्युमेंट अपलोड करना अनिवार्य है। लॉगिन कर सिटिजन ऐप (G2C) में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पर क्लिक कर अपने OTR नंबर के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

एक बार OTR रजिस्ट्रेशन करने के बाद प्रोफाइल में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा।

यहां करें कॉन्टेक्ट

परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से या फोन नंबर 0145-2635212 और 2835200 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

मकान का ताला तोड़कर घुसे चोर, गहने चोरी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। वरदा थाना इलाके के मांडव गांव में मकान के ताले तोड़कर घुसे चोर करीब 10 तोला सोने के गहने चोरी कर ले गए। इस दौरान घर के लोग मकान में ही सो रहे थे, लेकिन उनको चोरों की भनक नहीं लगी।

पुलिस गांव में आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर चोरों तक पहुंचने में जुटी है। वरदा थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि मांडव निवासी जगदीश पुत्र अम्बालाल पंडया ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि शनिवार रात को वह पत्नी, पौत्र और पौत्री के साथ अपने दो मंजिला मकान के नीचे वाली पड़साल में सोया हुआ था। इसके बाद दूसरे दिन सुबह सोकर उठे और रोजमर्रा के काम करने के दौरान मेरी पत्नी अंदर के कमरे में पोछा लगाने गई। तिजोरी का लॉक टूटा हुआ था। उसमें रखे कपड़े व सामान बिखरा पड़ा था। यह देख कर मेरी पत्नी ने आवाज लगाई तो मैं अंदर पहुँचा, जिसके बाद तसल्ली पूर्वक देखा तो तिजोरी में रखे जेवरात गायब मिले। उनमें सोने के दो हार, मंगलसूत्र, छह बंगड़ी और कान की बालियां कुल मिलाकर करीब 10 तोला सोने के गहने चोरी होना पाया गया। इसके बाद आसपास के मोहल्लेवासियों का जमावड़ा लग गया। बदमाशों द्वारा मकान की उपरी मंजिल के दरवाजे की कुंडी तोड़कर सीढ़ियों से निचले हिस्से में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखकर रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए मांडव में आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। वहीं, पड़ोस में भी पूछताछ की जा रही है।

अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत जीविकोपार्जन संबंधी 8 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर. बाजार में महंगी दरों पर मिलने वाले श्रीअन्न (मोटे अनाज) की बेकरी यथा बाजरा ओट्स कुकीज (बिस्किट), ज्वार ब्रेड पाव, नानखटाई, बन और डोनट जैसी चीजें अनुसूचित जाति की युवक-युवतियाँ न केवल अपने दक्ष हाथों से तैयार करेंगी बल्कि जीविकोपार्जन की दिशा में भी भाग्य आजमाएंगी। ताकि उद्यम के साथ-साथ कुपोषण उन्मूलन की दिशा में भी सहयोग मिल सके। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय में सोमवार को आठ दिवसीय प्रशिक्षण आंरभ हुआ। प्रशिक्षण में बस्सी गांव के 30 चयनित युवक-युवतियों को मोटा अनाज आधारित प्रसंस्करण के तहत विशेषज्ञ टीम बेकरी संबंधी विविध व्यंजन बनाना सिखाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अंतर्गत राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर की ओर से अनुसूचित जाति उप-योजना अंतर्गत जीविकोपार्जन हेतु मोटे अनाज के बेकरी उत्पादों से कुपोषण उन्मूलन विषयक इस प्रशिक्षण के दौरान युवक-युवतियों को बेकरी व्यवसाय में निहित लाभ से अवगत कराते हुर शहर की बड़ी बेकरियों का भ्रमण व बेकरी व्यवसाय में काम आने वाले उपकरणों-मशीनों की जानकारी भी दी जाएगी।

जानलेवा हमले में महिला सहित चार आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल ने बताया कि प्रताप नगर थाना क्षेत्र के सुन्दरवास मे हुए एक व्यक्ति पर जानलेवा हमले के प्रयास में पुलिस थाना प्रतापनगर टीम द्वारा एक महिला सहित 04 आरोपी गिरफतार किये गये। बताया गया कि 8 मार्च को प्रार्थी मो. शाहरुख पिता मोहम्मद हनीफ खान उम्र 24 साल निवासी मल्लातलाई थाना प्रतापनगर जिला ने रिपोर्ट पेश कि एक दिन पहले पत्नी आशा थापा उर्फ हीना को उसकी सहेली पुनम उर्फ गोरी ने सुन्दरवास बुलाया। वह पत्नी सुन्दरवास आये व कैलाश पान के करीब पहुंचे थे। रुबीना बानो को सौहेल व सौहेल की मां धमका रहे फोन पर धमका रहे थे। अचानक सौहेल टेम्पो लेकर आए जिसमे सौहेल कुरेशी पिता सलीम कुरेशी और उसके भाई साहील

कुरेशी और अकील और शकील निवासी बीडा खांजीपीर जिला उदयपुर व उनकी साथी 10 से 15 लडके अचानक हाथो मे चाकू व लोहे के पाईप व तलवार सेवार कर दिया। उसके व पत्नी पर भी चाकु से वार किये व मो. आवेश गोरी पर तलवार से वार कियें पारवती और रुबीना व आस पास के लोगो ने बीच बचाव कर बचाया। रुबीना ने कन्ट्रोल रुम फोन किया तो सब वहां से भाग गए। इस मामले में आज पुलिस ने पांच लोगों को पकडा है। भरत योगी थानाधिकारी पुलिस थाना प्रतापनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम थाना प्रतापनगर ने घटना मे संलिप्त एक महिला सहित चार आरोपीगण को गिरफतार किया गया। प्रकरण मे अभियुक्त सोयल कुरेशी से घटना में प्रयुक्त टम्पो व तलवार बरामद की गई। मामले में सोयल कुरेशी पुत्र सलीम कुरेशी उम्र 24 साल निवासी किशन पोल हाल लाल मगरी थाना सवीना जिला उदयपुर, साहिल पुत्र सलीम कुरेशी निवासी किशन पोल हाल लाल मगरी थाना सवीना, मो. अकील पुत्र मोहम्मद हमीद निवासी खांजीपर बीडा पुलिस थाना सुरजपोल, सुल्ताना बेगम पत्नी सलीम कुरेशी निवासी गंजीपर बीडा पुलिस थाना सुरजपोल को गिरफ्तार किया।

उज्जैन से चित्तौड़गढ़ के लिए मेमू ट्रैन कल से

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। सभाग के चित्तौड़गढ़ जिले से यात्रियों के लिए कल 12 मार्च से उज्जैन से चित्तोड़गढ़ के लिए मेमू ट्रैन का संचालन 12 से चलेगी। आदेश के अनुसार उज्जैन से फतेहाबाद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, निम्बाहेड़ा होकर चित्तौड़गढ जाने के लिए नई ट्रेन की शुरूआत 12 मार्च से होगी। संभावित समय सारिणी के अनुसार उक्त मेमू ट्रैन उज्जैन से प्रातः 10:30 बजे रवाना होकर 11:10 फतेहाबाद, 13:30 रतलाम, 14:18 जावरा, 15:17 मंदसौर, 16:10 निम्बाहेड़ा होकर 17:20 चित्तौड़गढ़ पहुंचेगी। मार्ग में रतलाम में 10 मिनट तथा अन्य स्टेशनों पर 2 मिनट तक का ठहराव रहेगा।इसी प्रकार यह ट्रैन चित्तौड़गढ़ से शाम 17:40 रवाना होकर 18:12 निम्बाहेड़ा, 18:42 नीमच, 19:38 मंदसौर, 20:28 जावरा, 21:10 रतलाम, 22:44 फतेहाबाद होते हुए 23:50 को उज्जैन पहुंचेगी। मार्ग में रतलाम में 10 मिनट तथा अन्य स्टेशनों पर 2 मिनट तक का ठहराव रहेगा। रतलाम रेलमंडल प्रशासन इस ट्रेन को चलाने के लिए लंबे समय से मशक्कत कर रहा था। इस ट्रेन को मेनलाइन इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (मेमू) रैक से चलाया जाना है, लेकिन रैक आने तक आइसीएफ (इंडियन कोच फैक्ट्री) के रैक से ही संचालन होगा। नई मेमो ट्रेन के डिब्बे मार्च माह के अंत तक मिलेंगे लेकिन यात्रियों की मांग को देखते हुए 12 मार्च से इस ट्रेन को शुरु किया जा रहा है। फिलहाल इस ट्रेन में सामान्य डिब्बे लगे होंगे जिन्हें बाद में मेमू ट्रेन के डिब्बों से बदला जाएगा।

नए भाजपा जिलाध्यक्ष ने संभाला पदभारः लोकसभा सीट पर जीत का संकल्प, कार्यकर्ताओं को दी एकजुट रहने की सीख

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार ने सोमवार को पदभार संभाल लिया है। सांसद कनकमल कटारा सहित अन्य भाजपा नेताओं की मौजूदगी में पाटीदार ने भाजपा कार्यालय में अपना पदभार संभाला। शहर के विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित समारोह में नवनियुक्त अध्यक्ष पाटीदार ने कार्यकर्ताओं को पार्टी को मजबूत करते हुए लोकसभा में जीत का आह्वान किया। शहर के विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम में आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में सांसद कनकमल कटारा, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, जिला संगठन प्रभारी कमलेश राजपुरोहित, पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह, सभापति अमृतलाल कलासुआ सहित जिलेभर से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा संगठन पदाधिकारियों ने पदभार संभालने पर नवनियुक्त अध्यक्ष हरीश पाटीदार का स्वागत किया। भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं से कहा कार्यकर्ता ही पार्टी की नींव होती है।

पीएम नरेंद्र मोदी की देशहित और जनहित नीतियों के चलते आज वागड़ में भाजपा का कुनबा बढ़ रहा है। वहीं, पार्टी और मजबूत हो रही है। नवनियुक्त अध्यक्ष हरीश पाटीदार ने कहा कि आने वाले समय में लोकसभा चुनाव है। पिछली दो बार से हम ये सीट जीतते आ रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करते हुए तीसरी बार लोकसभा सीट को जिताने के साथ पीएम मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान किया।

दूसरी किस्त की तारीख आगे बढ़ाई

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। हज कमेटी ऑफ़ इंडिया की ओर से इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले हाजियो को अपनी दूसरी किस्त 170000 रूपए जमा करने की तारीख 10 मार्च से बढ़ा कर नया आदेश जारी कर 13 मार्च कर दी गई है। दूसरी किस्त की राशि 170000 रूपए 13 मार्च तक जमा करवा सकते हैं। हज ट्रेनर मोहम्मद अयूब डायर द्वारा यह जानकारी दी गई।

निजी बैंक का एटीएम काटकर 14 लाख रुपए उड़ाए

साइफन चौराहे के नजदीक सुबह करीब पांच बजे बदमाशों ने की वारदात

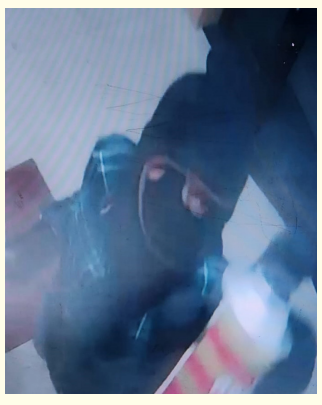

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। शहर के व्यस्त मार्ग पर चोरों ने गैस कटर से एटीएम को काटा और रुपए से भरी ट्रे ले उडे। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। अंबामाता थानाधिकारी डॉ. हनवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि तड़के 4:39 बजे साइफन चौराहे के नजदीक आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर बदमाश ट्रे में रखे 14 लाख रुपए उड़ा ले गए। इसकी जानकारी थाने की ओर से लगे नाकाबंदी प्वाइंट पर राह चलते व्यक्ति ने देते हुए बताया कि एटीएम के बाहर भीड़ है। इस पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बताया गया कि चोर अलसबुह एटीएम में घुसे और सबसे पहले उन्होनें कैमरे पर स्प्रे कर दिया। इसके बाद उन्होंने वारदाता का अंजाम दिया।

यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के दो दिवसीय मेघा रिटेल एक्सपो का सफल आयोजन

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर 10 मार्च । यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा दो दिवसीय मेघा रिटेल एक्सपो 2024 का सफल आयोजन शहर के सुखेर स्थित अर्बन स्क्वायर मॉल में हुआ, जहां एक ही छत के नीचे बैंक की सभी सेवाओं का ग्राहकों को लाभ प्रदान किया गया। सफल आयोजन के अवसर पर बैंक के रीजनल मैनेजर सारंग ए झांझड़ ने बताया की 2 दिवसीय इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को बैंक की सुगम सुविधाओं से लाभान्वित करना रहा । इस एक्सपो में उदयपुर के प्रमुख वाहन डीलर महिंद्रा, मारुति, टोयोटा, हुंडई, किया, स्वोक्सवेगन, नेक्सा, एम जी, बुलट के वाहनों का डिस्प्ले किया गया तथा वाहनों पर ग्राहकों के लिए ऑन द स्पॉट लोन प्रदान किए गए। साथ ही शहर के प्रमुख बिल्डर ग्रुप ज्ञानेश, साँची, वैदेही, प्रवाह, अर्बन स्कवायर के द्वारा ग्राहकों को फ्लैट और मकानों पर लोन के बारे में जानकारी प्रदान की गई। एजुकेशन ग्रुप के गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्निकल, पीएफ़सी एजुकेशन, एसपीएसयू, जैनी एजुकेशन कन्सल्टेंसी, मोनार्च सोलर सहित कई प्रमुख संस्थानों ने अपने उत्पादों की से ग्राहकों को अवगत करवाया । एक्सपों में ग्राहकों के लिये विदेश छूट और लक्की कूपन रखा गया है ।इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को आच्छादित करने एवं सुगम तरीके से लोन देने के बारे में जानकारी के साथ ऑन द स्पॉट लोन सुगमता के साथ देना रहा ।

मॉर्निंग वॉक ग्रुप डायमंड का स्नेह मिलन

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। मॉर्निंग वॉक ग्रुप डायमंड ,उदयपुर का होली पर्व स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नरेश पूर्बिया ने बताया कि स्नेह मिलन कार्यक्रम में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं होली के गीत गा कर फागोत्सव मनाया गया। रंगबिरंगे फुलों से होली खेली। कार्यक्रम में उर्मिला दिलीप अग्रवाल, मधुबाला नरेश पूर्बिया, सुशीला देवीलाल कुम्हार, सुनीता ललित पारख, मधु डी पी लक्षकार,किरण बाला जगदीश वैष्णव, मंजू श्यामलाल माली, मीनाक्षी नरेश जैन, यामिनी अरविंद जोशी, सेल्जा गुप्ता उपस्थित थे।

ट्रक-टैंकर की आमने-सामने की भिड़ंत, ड्राइवर घायल

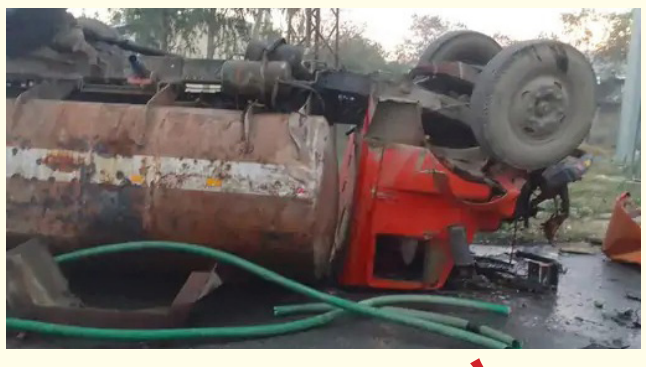

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। अब उदयपुर शहर हादसों का शहर बनता जा रहा है। रोज किसी हादसे की सूचना मिलती है। इसे वाहन चालकों की लापरवाही कहें या फिर सड़कों पर यातायात का कुप्रबंधन। अलसुबह 5 बजे अंधेरे में आज उदयपुर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के मादड़ी इंडस्ट्रीयल एरिया में लक्ष्मी इंजीनियरिंग के समीप टैंकर और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हुई। टैंकर और ट्रक की जोरदार भिड़ंत में वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जब दोनों ही वाहन आमने-सामने से आ रहे थे। ट्रक और टैंकर तेज गति से जा रहे थे व टक्कर के बाद दोनों वाहन सड़क पर पलट गए। वाहनों के आगे की बॉडी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पास ही चल रहा एक बाइक सवार भी हादसे का शिकार हो जाता मगर बाल-बाल बच गया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर उपस्थित लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस की मदद से घायल चालकों को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया। प्रताप नगर थाना पुलिस पहुंची और क्रेन की मदद से पलटे ट्रक और टैंकर को सीधा कराकर सड़क किनारे लगवाया गया।

बीजेपी सांसद राहुल कस्वां ने थामा कांग्रेस का दामन

कहा- बीजेपी में सामंतवादी सोच हावी हो रही है, किसानों को अनसुना किया जा रहा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। प्रदेश के नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारी की भर्ती प्रक्रिया के विरोध में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल का ऐलान किया है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर आज (सोमवार) संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ ने बैठक बुलाई थी। संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि राज्य सरकार 24,797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती लॉटरी से साल 2018 की तर्ज पर कर रही है। इसका हम विरोध करते हैं। बैठक में हमने आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर रहने का फैसला किया। हमारी प्रमुख मांगें हैं कि सफाई कर्मचारी भर्ती मस्टरोल से की जाए। जिन अभ्यर्थियों ने नगर निगम में काम किया है, उनको सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में प्राथमिकता दी जाए। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ की बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर जाने का फैसला किया। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ की बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर जाने का फैसला किया। इसके अलावा जिन अभ्यर्थियों के कोर्ट केस चल रहे हैं, उनको और वाल्मीकि समाज के लोगों को प्राथमिकता दी जाए। चुनाव आचार संहिता की आड़ में सफाई कर्मचारी भर्ती रोकी नहीं जाए। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती है, तब तक जयपुर शहर समेत पूरे राजस्थान के सफाई कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर सफाई कार्य का बहिष्कार करेंगे। बता दें कि प्रदेश में करीब 50 हजार और राजधानी जयपुर में 8 हजार 500 से ज्यादा सफाई कर्मचारी हैं। इनके हड़ताल पर जाने से सफाई व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। इस हड़ताल में गैर वाल्मीकि समाज के कर्मचारी शामिल नहीं होंगे। जयपुर समेत तमाम निकायों में इनकी संख्या 5 हजार से ज्यादा हैं। इससे पहले अप्रैल 2023 में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल की थी। सफाई कर्मचारियों की भर्ती में वाल्मीकि समाज के कर्मचारियों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने की बात को लेकर यह हड़ताल की गई थी। उस समय करीब 5 दिन हड़ताल चली थी। इस दौरान जयपुर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी और शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए थे।

राजस्थान में कल से नहीं उठेगा कचरा, सफाई कर्मचारियों का हड़ताल का ऐलान

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। प्रदेश के नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारी की भर्ती प्रक्रिया के विरोध में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल का ऐलान किया है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर आज (सोमवार) संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ ने बैठक बुलाई थी। संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि राज्य सरकार 24,797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती लॉटरी से साल 2018 की तर्ज पर कर रही है। इसका हम विरोध करते हैं। बैठक में हमने आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर रहने का फैसला किया। हमारी प्रमुख मांगें हैं कि सफाई कर्मचारी भर्ती मस्टरोल से की जाए। जिन अभ्यर्थियों ने नगर निगम में काम किया है, उनको सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में प्राथमिकता दी जाए। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ की बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर जाने का फैसला किया। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ की बैठक में सभी ने एकमत होकर सामूहिक अवकाश पर जाने का फैसला किया। इसके अलावा जिन अभ्यर्थियों के कोर्ट केस चल रहे हैं, उनको और वाल्मीकि समाज के लोगों को प्राथमिकता दी जाए। चुनाव आचार संहिता की आड़ में सफाई कर्मचारी भर्ती रोकी नहीं जाए। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती है, तब तक जयपुर शहर समेत पूरे राजस्थान के सफाई कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर सफाई कार्य का बहिष्कार करेंगे। बता दें कि प्रदेश में करीब 50 हजार और राजधानी जयपुर में 8 हजार 500 से ज्यादा सफाई कर्मचारी हैं। इनके हड़ताल पर जाने से सफाई व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। इस हड़ताल में गैर वाल्मीकि समाज के कर्मचारी शामिल नहीं होंगे। जयपुर समेत तमाम निकायों में इनकी संख्या 5 हजार से ज्यादा हैं। इससे पहले अप्रैल 2023 में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल की थी। सफाई कर्मचारियों की भर्ती में वाल्मीकि समाज के कर्मचारियों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने की बात को लेकर यह हड़ताल की गई थी। उस समय करीब 5 दिन हड़ताल चली थी। इस दौरान जयपुर में सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी और शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए थे।

एमपी में ज्वाइनिंग महाकुंभ, 68 दिन में 5800 नेताओं ने जॉइन की भाजपा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

भोपाल। लोकसभा चुनाव से पहले दूसरे दलों के नेताओं का बीजेपी में शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है। इस साल 1 जनवरी से 9 मार्च तक करीब 5800 नेता बीजेपी जॉइन कर चुके हैं। इनमें पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री और पूर्व सांसदों के अलावा जनपद पंचायत अध्यक्ष, पार्षद समेत सामाजिक संगठनों के प्रमुख शामिल हैं। दूसरी पार्टी के नेताओं को शामिल करने के लिए बीजेपी ने न्यू जॉइनिंग टोली का गठन किया है। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को इस टोली का संयोजक बनाया है। पूर्व मंत्री संजय पाठक को सह संयोजक बनाया है। न्यू जॉइनिंग टोली दूसरे दलों के नेताओं का फीडबैक जुटा कर उन्हें पार्टी में शामिल करती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कहना है कि दूसरी पार्टी से आए लोग चाहते हैं कि वे देश के लिए बेहतर काम करें, इसलिए बीजेपी के साथ आ रहे हैं। उन्हें पता है कि कांग्रेस समेत दूसरे दलों का कोई भविष्य नहीं है। शर्मा कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति ये जनता का विश्वास है, इसलिए इतनी बड़ी संख्या में दूसरे दलों से आए लोग बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।

प्रदेश स्तर पर दो और हर जिले में तीन-तीन नेताओं की टोली

मध्यप्रदेश में कांग्रेस, सपा, बसपा और आप समेत बाकी दलों के नेताओं और जनप्रतिनिधियों को बीजेपी में शामिल करवाने के लिए प्रदेश और जिला स्तर पर न्यू जॉइनिंग टोली का गठन किया गया है। प्रदेशस्तरीय टोली के संयोजक पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और सह संयोजक पूर्व मंत्री संजय पाठक हैं। इसके अलावा हर जिले में तीन-तीन नेताओं की न्यू जॉइनिंग टोली बनाई गई है। इस टोली में जिला अध्यक्ष के साथ संगठन के दो पदाधिकारी शामिल हैं। दूसरी पार्टी का कोई नेता बीजेपी जॉइन करना चाहता है तो उसे जिलास्तरीय टोली से संपर्क करना होता है। जिला स्तर पर बनी टोली इसकी जानकारी प्रदेशस्तरीय टोली को देती है। प्रदेश स्तर पर बनी टोली संबंधित नेता का पूरा फीडबैक जुटाकर उसे पार्टी जॉइन कराने की हरी झंडी देती है। इसके बाद जब किसी प्रदेशस्तरीय नेता का जिले में दौरा होता है तो कार्यक्रम का आयोजन कर दूसरी पार्टी से आए नेताओं को शामिल कराया जाता है। पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद जैसे बड़े नाम वाले नेताओं की जॉइनिंग प्रदेश स्तर पर या किसी बड़े कार्यक्रम में होती है।

बंगाल में लोकसभा चुनाव में तलाकशुदा पति-पत्नी आमने-सामने

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

पश्चिम बंगाल. बिष्णुपुर लोकसभा सीट से पूर्व पति-पत्नी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने रविवार को 42 सीटों पर कैंडिडेट्स का ऐलान किया। इसमें बिष्णुपुर से सुजाता मंडल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं 2 मार्च को आई भाजपा की सूची में इसी सीट से सौमित्र खान को उतारा गया है। सौमित्र यहां से मौजूदा सांसद हैं। सौमित्र और सुजाता के बीच 2021 में तलाक हो गया था। दोनों के अलग होने की कहानी भी राजनीतिक है। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुजाता मंडल अपने पति के

साथ भाजपा में थीं, लेकिन फिर उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इससे नाराज होकर सौमित्र ने कैमरे पर ऐलान किया था कि वे सुजाता से अलग हो रहे हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सौमित्र खान भी TMC में ही थे। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें बिष्णुपुर लोकसभा सीट से टिकट मिला था। वे चुनाव भी जीते थे। इसमें सुजाता ने उनके लिए कैंपेनिंग भी की थी। विधानसभा चुनाव 2021 में TMC ने सुजाता को आरामबाग से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे हार गई थीं।

TMC नेता सौगत रॉय और प्रवक्ता कुणाल घोष की मौजूदगी में सुजाता ने 21 दिसंबर 2020 को TMC जॉइन की थी।

TMC नेता सौगत रॉय और प्रवक्ता कुणाल घोष की मौजूदगी में सुजाता ने 21 दिसंबर 2020 को TMC जॉइन की थी। सुजाता ने भाजपा की पॉलिटिक्स को डर्टी बताया था

सुजाता ने 21 दिसंबर 2020 को TMC के सीनियर लीडर और MP सौगत रॉय की मौजूदगी में पार्टी जॉइन की थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा की डर्टी पॉलिटिक्स की वजह से तृणमूल से जुड़ने का फैसला लिया है। भाजपा लुभावने सपने दिखाकर दूसरी पार्टियों के नेताओं को अपनी ओर खींच रही है। भाजपा की ओर से नेताओं को अच्छी पोस्ट देने और कुछ नेताओं को CM बनाने का वादा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा था कि भाजपा में उन लोगों का सम्मान नहीं हो रहा है, जो वाकई इसके लायक हैं। पश्चिम बंगाल को सिर्फ ममता बनर्जी ही विकास के रास्ते पर आगे ले जा सकती हैं। सिर्फ ममता ही राज्य को बांटने की राजनीति से बचा सकती हैं, इसलिए मैं दीदी के साथ जुड़कर काफी खुश हूं। सौमित्र ने बिष्णुपुर में कम्युनिस्टों का 43 साल का राज खत्म किया

फिजिकल के 61 लेक्चरर को नियुक्ति मिली :

सभी को अलग-अलग जिलों में पोस्टिंग, दो साल रहेगा प्रोबेशन पीरियड

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

बीकानेर. माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में 61 फिजिकल लेक्चरर की पोस्टिंग कर दी है। ऐसे में इन स्कूल्स में अब खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकेगा। जिन फिजिकल लेक्चरर को नियुक्ति दी गई है, उन्हें दो साल तक प्रोबेशन पर रहना है और संतोषजनक कार्य होने पर ही नियमित किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने सभी चयनित लेक्चरर को 28 मार्च तक कार्यभार संभालने के आदेश दिए हैं। अगर कोई केंडिडेट इस तारीख तक कार्यभार ग्रहण नहीं करेगा तो उसका चयन रद्द कर दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने नियुक्ति के साथ ही इन सभी का पदस्थापन कर दिया है। सभी चयनित लेक्चरर के रिकार्ड की जांच एक बार फिर से की जाएगी। जिस स्कूल में ये लेक्चरर ज्वाइन करेंगे, वहां के प्रिंसिपल को जिम्मेदारी दी गई है कि डॉक्यूमेंट का एक बार फिर मिलान कर लें। इसके साथ ही इन फिजिकल टीचर्स अगर विधवा और परित्यक्ता के रूप में नियुक्ति पा रही है तो आवेदन की तारीख तक फिर से विवाह नहीं किया हो। इसका भी शपथ पत्र देना होगा।

बीकानेर को मिले चार फिजिकल लेक्चरर

राज्यभर में फिजिकल टीचर्स के पद रिक्त पड़े हैं, ऐसे में इस भर्ती के साथ साठ स्कूलों को लेक्चरर मिल जाएगा। बीकानेर के सार्दुल स्पोर्ट्स स्कूल में भी अर्से से फिजिकल लेक्चरर के पद खाली पड़े हैं। जिसे कोई लेक्चरर नहीं मिला है। वहीं, बीकानेर के नोखा स्थित बाबा छोटूनाथ सीनियर सैकंडरी स्कूल में उषा बिश्नोई को पदस्थापित किया गया है। वहीं फोर्ट सीनियर सैकंडरी स्कूल में अंशुईया कुमारी, देशनोक के सीनियर सैकंडरी स्कूल में सुबिता कड़वासरा को पोस्टिंग मिली है।

भजनलाल कैबिनेट ने किए रामलला के दर्शन

सबने मंदिर में किया सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, दो चार्टर प्लेन के जरिए पूरी कैबिनेट गई दर्शन करने

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने अपनी कैबिनेट के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। साथ ही मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा की। सीएम भजनलाल शर्मा सोमवार सुबह 8:05 पर जयपुर से दो चार्टर प्लेन के जरिए पूरी कैबिनेट, विधायक, सांसद और पार्टी पदाधिकारियों के साथ अयोध्या रवाना हुए। सुबह 9:35 बजे अयोध्या पहुंचे। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज बड़ी प्रसन्नता हो रही है, पहले कई बार अयोध्या गया तो रामलला के दर्शन मुझे टेंट में करने पड़े। हम सौभाग्यशाली हैं कि आज हमें रामलला के दर्शन भव्य और दिव्य मंदिर में हुए। राम हमारे रोम-रोम में हैं, राम हमारी आस्था के ही नहीं बल्कि हमारे राष्ट्र के, पूरी दुनिया के आराध्य हैं। पूरी कैबिनेट हमारे सभी विधायक और सांसद आज दर्शन का लाभ लिया। हमने राजस्थान और देश की खुशहाली की कामना की। हमारा प्रदेश और हमारा देश 21वीं सदी में दुनिया का सिरमौर बने यही रामलला से प्रार्थना की। लोकसभा चुनाव से पहले सियासी मैसेज बीजेपी लोकसभा चुनावों में राम मंदिर के मुद्दे को भुनाने की कोशिश में लगी है। यही वजह है कि बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी कैबिनेट के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। राजस्थान से पहले मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव भी अपनी कैबिनेट के साथ अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। बीजेपी अलग-अलग राज्यों में इस तरह की कवायद के जरिए हिन्दुत्व का मैसेज देना चाहती है, जिससे चुनाव में इसका सीधा लाभ मिल सके। अब तक बीजेपी राम मंदिर बनाने के नाम पर जनता से समर्थन मांगती आई, लेकिन अब राम मंदिर बनने के बाद इसका श्रेय लेने में भी पीछे नहीं रहना चाहती है। इसी क्रम में सोमवार को सीएम भजनलाल शर्मा अपनी कैबिनेट, विधायक, सांसद, पार्टी पदाधिकारियों के साथ सुबह अयोध्या पहुंचे। सीएम भजनलाल शर्मा अयोध्या पहुंचकर एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी भी मौजूद रहे। सीएम दोपहर 2:25 से 3:25 के बीच पूरी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन किए। इसके बाद शाम 5 बजे अयोध्या से जयपुर के लिए रवाना होंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री बोले, प्रभु राम जो करेंगे अच्छा करेंगे

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं, राम हमारे आस्था के केंद्र हैं. लोकसभा चुनाव पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जगह राम की महिमा है, भगवान राम जो करेंगे अच्छा करेंगे. वहीं, राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवलानी ने कहा कि आज अयोध्या आकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. जो हम बरसों से आंदोलन करते थे हमने जो ईंटों का पूजन किया था वह साकार हुआ और प्रत्यक्ष अब दर्शन करने का अवसर मिला है. राजस्थान सरकार व सबको मैं अपनी तरफ से बहुत-बहुत बधाई देता हूं. राजस्थान अयोध्या का रिश्ता बहुत पुराना है. सनातन और संस्कृति में इसका उल्लेख है. राजस्थान की वीर भूमि से राम जी का पुराना नाता रहा है, यह केवल मंदिर ही नहीं है, विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बनने जा रहा है. सारा विश्व इससे आध्यात्मिक चेतना भी लेगा. इस मंदिर में सिर्फ हिंदू नहीं विश्व के सभी धर्म के लोग यहां आकर प्रेरणा लेंगे. भारत को जल्द ही पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्वगुरु का दर्जा मिल जाएगा

चित्तौड़गढ़ सिटी के नए डीएसपी होंगे तेजकुमार पाठक

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

चित्तौड़गढ़ सिटी में डिप्टी तेज कुमार पाठक (ऊपर), ग्रामीण में डिप्टी शिवप्रकाश हरगन (नीचे) को लगाया गया।

चित्तौड़गढ़। पुलिस मुख्यालय जयपुर की ओर से पुलिस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। चित्तौड़गढ़ जिले के नौ सीओ बदल दिए गए। इसमें चित्तौड़गढ़ सिटी और ग्रामीण डीएसपी का भी ट्रांसफर किया गया। अब चित्तौड़ सिटी के नए डीएसपी तेज कुमार पाठक और ग्रामीण के ने डीएसपी शिवप्रकाश हरगन होंगे। इसके अलावा बेगूं डीएसपी ऐसे है, जिनका रेंज चेंज नहीं किया गया। उनका ट्रांसफर जिले में ही किया गया है। कुछ समय से खाली चल रहे कपासन डिप्टी के पद पर भी नियुक्ति हो चुकी है। 317 उप अधीक्षकों का ट्रांसफर किया गया। पुलिस महकमें में फिर से बड़ा फेरबदल किया गया। जिले में एक साथ 9 अधिकारियों को बदला गया है। जिला मुख्यालय के दोनों डीएसपी बदल दिए गए। चित्तौड़गढ़ सिटी डिप्टी कर्ण सिंह का ट्रांसफर संगरिया, हनुमानगढ़ और चित्तौड़गढ़ ग्रामीण डिप्टी सचिन शर्मा को नीमराना, कोटपुतली लगाया गया। इनकी जगह सिटी CO के पद पर तेज कुमार पाठक और ग्रामीण ब्व् के पद पर शिवप्रकाश हरगन को लगाया गया। इसके अलावा, बेगूं डिप्टी बद्री लाल भांड एकमात्र ऐसे है जिनका रेंज चेंज नहीं किया गया। उन्हें जिला के बेगूं से निंबाहेड़ा लगाया गया। वहीं, कपासन डिप्टी बुद्धराज टांक का पहले ही अजमेर ट्रांसफर हो चुका था। ऐसे में कुछ समय से यह पद खाली था, जहां अनिल सारण को लगाया गया। गंगरार में रवींद्र प्रताप सिंह, साइबर क्राइम में श्याम सिंह, भदेसर में अनिल शर्मा, बेगूं में प्रशिक्षु अंजली सिंह और ट्राफिक में रामेश्वर लाल को लगाया गया।

जिले में नियुक्त CO को भेजा अलग जिलों में

निंबाहेड़ा डिप्टी बेनी प्रसाद मीना का कोटा ग्रामीण, गंगरार डिप्टी श्रवण कुमार संत का मेड़ता सिटी, नागौर, साइबर क्राइम डिप्टी गोपाल लाल खटीक का उदयपुर विकास प्राधिकरण, भदेसर डिप्टी राजेश कुमार टेलर का कोटा प्रथम, ट्रैफिक डिप्टी जोगेंद्र सिंह का सहायक कमांडेंट द्वितीय का कोटा ट्रांसफर किया गया।

उदयपुर जिले को मिली तीन नई एंबुलेंस

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। उदयपुर के बावलवाड़ा ब्लॉक के मरीजों के लिए अब 108 एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध होगी। आज उदयपुर को मिली तीन नई एम्बुलेंस में से दो तो झाड़ोल और जावद में रिप्लेसमेंट करते हुए दी गई और बावलवाड़ा ब्लॉक को पहली बार यह सौगात मिली है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आज इन एम्बुलेंस को उदयपुर से रवाना किया और मंगलवार से ये एम्बुलेंस विधिवित काम शुरू कर देगी। उदयपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकर बामनिया ने बताया कि 108 एम्बुलेंस बावलवाड़ा केन्द्र पर शुरू होने से अब खेरवाड़ा और सोम के बीच एक ये सेंटर भी हो गया जहां आसानी से एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी। बामनिया ने बताया कि झाड़ोल पंचायत समिति मुख्यालय के अलावा जयसमंद के जावद पीएचसी पर अब नई एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही अब उदयपुर जिले में कुल एम्बुलेंस की संख्या 40 और तीन बाइक एम्बुलेंस हो गई है।

हड़ताल टूटी मगर हर एक लीटर पेट्रोल पर 13 रूपए का फटका बरकरार

- प्रशासनिक दबाव और पेट्रोल पंप एसोसिएशन में एकठ नहीं होने से टूट गई हड़ताल
- सवाल अब भी बरकरार, कब कम होगा वेट, बीता जा रहा है : 'गारंटी पीरियड'

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। पेट्रोल डीलर्स की हड़ताल चौबीस घंटे बाद ही खत्म हो गई। आज सुबह 6 बजे से उदयपुर के सभी 200 पम्प चालू कर दिए गए। इसका कारण यह रहा कि कई जिलों में डीलर्स हड़ताल पर नहीं थे। आस-पास के जिलों में भी डीलर्स ने प्रशासन के भारी दबाव की वजह से हड़ताल वापसी का निर्णय करना ही बेहतर समझा। विभिन्न जिलों में प्रशासन ने अधिकारियों के माध्यम से जबर्दस्त दबाव बनाया और दूसरी तरफ तेल कंपनियों के अधिकारियों ने भी दो दिन तक लगातार दबाव बना कर हड़ताल को खत्म करने के निर्णय तक पहुंचने पर बाध्य करने जैसी स्थिति पैदा कर दी। अब पेट्रोलियम व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि मुद्दा जनता का था, अब जनता को ही तय करना है कि उनको सस्ता पेट्रोल कब चाहिए, उसके लिए कहां पर क्या प्रयास करने हैं। गौरतलब है कि हड़ताल भले ही टूट गई हो लेकिन लोगों को रोज पेट्रोल में करीब 13 रूपए और डीजल में 10 रूपए प्रति लीटर का फटका लग रहा है। इस मामले में विपक्षी दल कांग्रेस की खामोशी भी लोगों को खल रही है जिसके पास लोकसभा चुनाव को देखते हुए वेट को मुद्दा बनाने का अच्छा मौका था। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उदयपुर में सभा में कहा था कि

राजस्थान में भाजपा की सरकार आते ही कीमतों को रिव्यू करेंगे लेकिन सरकार बनने के तीन महीने बाद अब ना तो पार्टी स्तर पर इसकी मांग की जा रही है ना ही विपक्ष की ओर से दबाव बनाया जा रहा है। जो गारंटी दी गई थी उसका गारंटी पीरियड भी निकलता जा रहा है।

एक दिन में 6 करोड़ रुपए का नुकसान

बताया जा रहा है कि उदयपुर जिले में हर पेट्रोल पंपों पर औसतत हर रोज 3 लाख रुपए का ईंधन बिकता है। 200 पेट्रोल पंपों से प्रतिदिन 100 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से 6 करोड़ का पेट्रोल और डीजल बिकता है। हड़ताल की वजह से पेट्रोल तथा डीजल की 12 करोड़ रुपए की बिक्री प्रभावित हुई।

चांद दिखा, माहे रमजान का पहला रोजा कल

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। सऊदी अरब में रमजान का चांद 10 मार्च को दिखाई दिया इसलिए वहां पहला रोजा 11 मार्च को रखा गया। सऊदी अरब के एक दिन बाद भारत और पाकिस्तान में रोजा रखा जाता है। ऐसे में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत अन्य देशों में 12 मार्च को पहला रोजा रखा जाएगा। कल 12 मार्च से रमजान के पाक महीने की शुरुआत हो रही है। रमजान का पाक महीना इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार नौवां महीना होता है। इसे माह-ए-रमजान भी कहा जाता है। यह महीना चांद को देखकर निर्धारित किया जाता है। सबसे पहले सऊदी अरब में रमजान का चांद दिखाई देता है। सऊदी अरब में रमजान का चांद 10 मार्च को दिखाई दे चुका है, इसलिए वहां पहला रोजा 11 मार्च को रखा गया। सऊदी अरब के एक दिन बाद भारत और पाकिस्तान में रोजा रखा जाता है। ऐसे में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत अन्य देशों में 12 मार्च को पहला रोजा रखा जाएगा।

क्या है सहरी?

रमजान माह में रोजाना सूर्य उगने से पहले खाना खाया जाता है। इसे सहरी नाम से जाना जाता है। सहरी करने का समय पहले से ही निर्धारित कर दिया जाता है। इस्लाम धर्म को मानने वाले सभी लोगों को रोजा रखना अनिवार्य माना जाता है। हालांकि बच्चों और शारीरिक रूप से अस्वस्थ लोगों को रोजा रखने के लिए छूट दी गई है।

क्या है इफ्तार?

दिनभर बिना खाए-पिए रोजा रखने के बाद शाम को नमाज पढ़ी जाती है और खजूर खाकर रोजा खोला जाता है। यह शाम को सूरज ढलने पर मगरिब की अजान होने पर खोला जाता है। इसे इफ्तार के नाम से जाना जाता है। इसके बाद सुबह सहरी से पहले तक इबादत करने वाला कुछ भी खा पी सकता है।

24 न्यूज अपडेट

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।